मेक्सिको और थाईलैंड भी होंगे यूपी जीआईएस में पार्टनर कंट्री

विश्व के बड़े औद्योगिक समूहों को निवेश के लिए आकर्षित करने की भी योजना

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। यूपी ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट (यूपी जीआईएस-2023) की तैयारियों में एक और नया आयाम जुड़ गया है। जल्द ही मेक्सिको और थाइलैंड भी इससे पार्टनर कंट्री के तौर पर जुड़ने जा रहे हैं। इस संबंध में वार्ता अंतिम दौर में है। इससे पहले पांच देश पार्टनर कंट्री के तौर पर जुड़ चुके हैं और सरकार की ओर से 19 देशों को इस शृंखला में लाने का लक्ष्य है।

योगी सरकार प्रदेश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने और रोजगार के अवसरों का सृजन करने के लिए 10 से 12 फरवरी तक यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन करने वाली है। इसके तहत प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपये के निवेश का लक्ष्य रखा गया है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में दुनिया भर के 10 हजार से भी ज्यादा प्रतिनिधि उत्तर प्रदेश आने वाले हैं।

अब तक पांच देश आ चुके हैं साथ, 19 देशों से चल रही बात

योगी सरकार विश्व के बड़े व्यापारिक और औद्योगिक समूहों को प्रदेश में निवेश के लिए आकर्षित करने की योजना पर तेजी से काम कर रही है। हाल ही में भारत आए दुनिया के 118 देशों में नियुक्त भारतीय उच्चायुक्तों और राजदूतों से यूपी के वरिष्ठ अधिकारियों ने विचार-विमर्श किया।

19 देशों के 21 शहरों में होगा रोड शो : समिट में इंग्लैंड, मॉरीशस, फ्रांस, डेनमार्क और सिंगापुर पार्टनर कंट्री बनने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा अमेरिका, जर्मनी, कनाडा, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, जापान, इजराइल, रूस, बेल्जियम, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका को पार्टनर कंट्री बनाने के लिए भी सरकार के आला अधिकारी मिशन मोड में जुटे हुए हैं। नवंबर में सरकार की ओर से सभी लक्षित 19 देशों के 21 शहरों में रोड शो का आयोजन किया जाना है।

यूपी के प्रवासी भारतीयों को एक मंच पर लाने की कवायद

प्रदेश सरकार की ओर से विभिन्न सेक्टरों के लिए नई नीतियों पर तेजी से काम हो रहा है। सरकार का ध्यान विदेशों में रह रहे ऐसे प्रभावशाली प्रवासी भारतीयों पर है, जिनकी जड़ें उत्तर प्रदेश से जुड़ी हुई हैं। योगी सरकार विभिन्न देशों में रह रहे उत्तर प्रदेश के प्रवासियों को एक मंच पर लाने का भी विचार कर रही है।